मन चल वृन्दावन चलिए

मन चल वृन्दावन चलिए । जित्थे रहंदे सांवल शाह ।
जित्थे रहंदे ने बेपरवाह ॥ जित्थे यमुना पई ठाठा मारदी ।

मन तू वी जाके गोता ला ॥ जित्थे रिश्ते ना नाते ना अपने ।
जित्थे ना कोई धूप है ना छा है । जित्थे ना कोई बहन भरा ॥

जित्थे निन्देया ना चुगली ना उस्तत्ति । जित्थे प्रेम दा वगे दरेआ ॥

जित्थे गोपी ग्वाल पाए झुमदे । मेरे मन नू वी चडिया चा ॥
जित्थे मस्त मलंग पए झुमदे । तू वी राधे राधे गा ॥

वृन्दावन सो वन नहीं, नंदगावं सम गावं ।
वन्सिवत सम वट नहीं, कृष्ण नाम सम नाम ॥

गीत रसीले श्याम के मेरे जीवन के आधार ।
छोड़ जगत झंझाल सभी कर मोहन सो प्यार ॥

कर मोहन सो प्यार, सुधार ले मानस सही ।
तेरो लाभ येही है जगत में भज ले परम सनेही ॥

मात पिता बंधू सज्जन सब स्वार्थ के मीत ।
तू हिय में मस्ती भर कर प्यारे, गा मोहन के गीत ॥

वृन्दावन वृन्दावन वृन्दावन रहिये ।
श्री राधा कृष्ण राधा कृष्ण राधा कृष्ण कहिए ॥

Source: https://www.bharattemples.com/man-chal-vrindavan-chaliye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw